देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

JAWAB DO SARKAR
www.jawabdosarkar.com

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा जारी
सूचना प्रोद्द्योगिकी(मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता)नियम,2021 के नियम 18 के तहत संचालित पोर्टल

रेफरेंस संख्या –2022/kdgl/13 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | शुक्रवार, 22 अप्रैल 2022

आखिर उदयपुर के इन चार कॉलेजो पर गिर ही गयी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की गाज!!!

अनंता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर, अमेरिकन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज, पेसेफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस

विशेष रिपोर्ट-2

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश पर एनएमसी ने इन कॉलेजो के यूजी और पीजी के प्रवेश किए निरस्त!!

यदि यह आदेश निरस्त नहीं हुए तो कॉलेज संचालको को पड़ जाएंगे लेने के देने!! लौटाने पड़ेगी 1000 करोड़ की केपिटेशन/डोनेशन फीस!!!इज्जत जाएगी सो अलग!!

जवाब मांगते सवाल?

क्या यह सारा खेल किसी बड़ी डील का हिस्सा?

क्या एनएमसी अपनी पूर्ववर्ती संस्था एमसीआई की तरह पुनः बहाल करेगा इन निरस्त की गयी सीटो को?

कितने मे होगी डील?किसके साथ होगी डील?

क्या प्रवर्तन निदेशालय/सीबीआई रखेगी इस पूरे मामले पर नजर?

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

राजस्थान पत्रिका मे दिनांक 21/04/2022 को प्रकाशित खबर से साभार

1,000 मेडिकल छात्रों का भविष्य अधर में

उदयपुर के 4 मेडिकल कॉलेजों के यूजी और पीजी के प्रवेश निरस्त

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर . नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने उदयपुर के चार निजी मेडिकल कॉलेजों में वर्ष 2021-22 में दिए गए एमबीबीएस तथा पीजी के सभी प्रवेश निरस्त कर दिए हैं। इससे इन चारों मेडिकल कॉलेजों के करीब एक हजार विद्यार्थियों का भविष्य अधर में है। एनएमसी ने इन कॉलेजों के इस सत्र को जीरो सेशन घोषित कर दिया है।

गौरतलब है कि इन विद्यार्थियों की कक्षाएं शुरू हुए करीब दो सप्ताह हो गए हैं। अचानक इस आदेश से मेडिकल कॉलेज प्रबंधन सकते में हैं। गत 24 फरवरी को केन्द्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय की टीम ने इन चारों कॉलेजों में आकस्मिक निरीक्षण किया था। इस दौरान टीम ने कुछ खामियां बताई थीं। इसके लिए कॉलेजों से जवाब भी मांगा गया था।

ये हैं कॉलेज

- **पेसिफिक** इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज पिम्स उमरड़ा।
- **अमेरिकन** इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज।
- **गीतांजली** मेडिकल कॉलेज।
- **अनन्ता** इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर।

निर्देशों का इंतजार

नेशनल मेडिकल कमीशन ने निरीक्षण के बाद 2021-22 के लिए इन मेडिकल कॉलेजों का लेटर ऑफ परमिशन निरस्त किया है। अब इस सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के भविष्य का क्या होगा, इस बारे में एनएमसी के निर्देशों का इंतजार है। **वैभव गालरिया,** प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग

पिछले दिनो केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशन पर मारे गए छापो के बाद उदयपुर के 4 मेडिकल कॉलेजो के यूजी और पीजी के प्रवेश किए गए निरस्त|

केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग,भारत सरकार के निर्देश पर गठित कमिटियों द्वारा बीते दिनो मे देशभर के 12 मेडिकल कॉलेजो का औचक निरीक्षण किए गए|यह निरीक्षण मेडिकल कॉलेजो द्वारा उनके प्रशिक्षण कार्यक्रमों,मेडिकल सुविधाओ मे लगातार आ रही गिरावट को लेकर किए गए थे|

इन औचक निरीक्षणों के बाद कुछ कॉलेजो को शो-कॉज़ नोटिस जारी किए गए जबकि एक मेडिकल कॉलेज को बंद कर दिया गया|

इसी क्रम मे उदयपुर के इन चारो कॉलेजो को भी शो-कॉज़ नोटिस जारी कर,15 दिन मे जवाब मांगा गया था,इन चारो कॉलेजो द्वारा जवाब पेश करने के बाद, 14 अप्रेल को एनएमसी द्वारा आदेश जारी कर उदयपुर के अनंता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर,अमेरिकन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस,गीतांजलि मेडिकल कॉलेज,पेसेफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस,उमरडा के वर्ष 2021-22 के लिए यूजी और पीजी हेतु जारी लेटर ऑफ परमिशन को निरस्त कर दिया गया|

मामला एक हजार करोड़ का

सूत्रो के हवाले से इन चारो मेडिकल कॉलेजो की करीब 1000 सीटो पर निरस्तीकरण की तलवार लटकी चुकी है|जिनकी केपिकेशन/डोनेशन फीस(मेनेजमेंट सीटो पर दो नंबर मे ली जाने वाली रकम) का कम से कम एक करोड़ प्रति सीट से भी अनुमान लगाया जाए तो यह करीब 1000 करोड़ का मामला बनता है|

यदि कॉलेज संचालको द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गयी और यह सभी सीटे निरस्त ही रही तो कॉलेज संचालको को यह 1000 करोड़(केपिकेशन/डोनेशन फीस) पुनः छात्रो और उनके अभिभावकों को लौटाने पड़ेंगे|इसके साथ ही इन कॉलेजो की साख जाएगी सो अलग|ऐसे मे कॉलेज संचालक किसी भी हाल मे इतने बड़े नुकसान को झेलने को तैयार नही होंगे और येन-केन प्रकारेण पूर्व की भांति बीच का कोई रास्ता निकालने की जुगाड़ करेंगे|वैसे पेसेफिक और गीतांजलि के कारनामे हमारे द्वारा पहले ही बताए जा चुके है,बाकी कॉलेजो के कारनामो के खुलासे आगामी अंको मे किए जाएंगे|

इन चारो कॉलेजो के वर्ष 2021-22 के लिए निम्न पीजी और यूजी प्रवेशों को किया गया निरस्त

American International Institute of Medical Sciences, Bedwas	Ananta Institute of Medical Sciences & Research Centre, Rajsamand	Geetanjali Medical College & Hospital,Udaipur	Pacific Institute of Medical Sciences, Umarda, Udaipur
MD - Paediatrics	MD - Anaesthesiology	DM - Nephrology	MD/MS - Obstetrics & Gynaecology
MS - General Surgery	MD - Community Medicine	M.Ch - Surgical Oncology	MS - General Surgery
MS - Otorhinolaryngology	MD - General Medicine	M.Ch - Urology	MD - Psychiatry
MS - Ophthalmology	MD - Respiratory Medicine	M.Ch - Neuro Surgery	MS - ENT
MD - Pathology	MD - Psychiatry	DM - Cardiology	MD - Pathology
MD - Psychiatry	MS - General Surgery	DM - Neurology	MD - Radio Diagnosis/Radiology
MD - General Medicine	MS - Ophthalmology	MS - General Surgery	MD - Dermatology , Venereology & Leprosy
MS - Orthopaedics	MD - Radio Diagnosis	MD - Radiotherapy/ Radiation Oncology	MD/MS - Ophthalmology
MD - Radio Diagnosis/Radiology	MD - Pathology	MD/MS - Ophthalmology	MD - General Medicine
MD/MS - Obstetrics & Gynaecology	MD - Forensic Medicine	MD - Anaesthesiology	MS - Orthopaedics
MD - Anaesthesiology	MD - Paediatrics	MD - Psychiatry	MD - Paediatrics
MD - Community Medicine	MD - Dermatology , Venereology & Leprosy	MS - ENT	MD - Tuberculosis & Respiratory Diseases / Pulmonary Medicine
M.B.B.S.	MS - Orthopaedics	MD - Radio Diagnosis/Radiology	MD - Anaesthesiology
	MS - Otorhinolaryngology	MS - Orthopaedics	M.B.B.S.
	M.B.B.S.	MD - General Medicine	
		MD/MS - Obstetrics & Gynaecology	
		MD - Paediatrics	
		MD - Tuberculosis & Respiratory Diseases / Pulmonary Medicine	
		MD - Dermatology , Venereology & Leprosy	
		MD - Pathology	
		MD - Pharmacology	
		MD - Social & Preventive Medicine / Community Medicine	
		MD - Bio-Chemistry	
		MD/MS - Anatomy	
		MD - Physiology	
		MD - Forensic Medicine/Forensic Medicine & Toxicology	
		MD - Microbiology	

सबसे बड़ा सवाल?

क्या यह सारा खेल किसी बड़ी डील का हिस्सा?क्या एनएमसी पुनः बहाल करेगा इन निरस्त की गयी सीटो को?कितने मे होगी डील?किसके साथ होगी डील?

एनएमसी की इस कार्यवाही से एक बार तो इन कॉलेजो के दाखिला लेने वाले छात्रो और उनके अभिभावकों की जान सांसत मे आ गयी है|वही सभी कॉलेजो के संचालक भविष्य की रणनीति बनाने मे लग गए है|समाचार पत्र मे प्रकाशित खबरों के अनुसार यह कॉलेज संचालक न्यायालय का द्वार खटखटाने की भी तैयारी कर रहे है|

सिटी प्राइम एंकर

प्रबंधन ने बताया इसे गलत निर्णय

सीट निरस्त करने की कार्रवाई : मेडिकल कॉलेज हो गए स्तब्ध

कॉलेज खटखटाएंगे न्यायालय के द्वार

पूरी सरकारी प्रक्रिया से प्रवेश हुए तो फिर ये कार्रवाई क्यों

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. उदयपुर के चारों प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों के एमबीबीएस व पीजी की सीट पर प्रवेश निरस्त करने की कार्रवाई से विद्यार्थियों का भविष्य अधर में नजर आ रहा है, वहीं दूसरी ओर मेडिकल कॉलेज प्रबन्धन इसे गलत और जानबूझकर परेशान करने की कार्रवाई बता रहे हैं। कॉलेज अब पूरे मामले को लेकर न्यायालय के द्वार खटखटाने की तैयारी में हैं। कॉलेजों के प्रबन्धन की दलील है कि जो-जो कमियां बताई गई हैं, इस तरह की कमियां तो कॉलेजों में हैं ही नहीं। कॉलेज निरीक्षण को लेकर सभी मापदंड पूरे करते हैं, इसके बाद भी इस तरह की कार्रवाई को अभिभावक भी गलत बता रहे हैं।

ये है मेडिकल कॉलेज

कॉलेज	सीट यूजी- पीजी
पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज-पिम्स उमरड़ा	150 - 67
अमेरिकन इन्टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज	150 -
गीतांजली मेडिकल कॉलेज	250 -
अनन्ता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर	150- 102

24 फरवरी को हुए थे एनएमएसी के निरीक्षण

गत 24 फरवरी को केन्द्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय की टीम ने इन चारों कॉलेजों में आकस्मिक निरीक्षण किए थे। इसकी रिपोर्ट बाद में एनएमसी को भेजी गई थी। निरीक्षण के बाद एनएमसी ने 23 मार्च को शो कोज नोटिस सभी चारों कॉलेजों को जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा था। सभी कॉलेजों की ओर से जवाब देने के बाद 14 अप्रेल को प्रवेश निरस्त करने के आदेश जारी किए है। हालांकि कॉलेजों में फिलहाल पढ़ाई निरन्तर जारी है।

सरकारी काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश लेने व विद्यार्थियों की पढ़ाई शुरू होने के बाद इस तरह की कार्रवाई से कॉलेज प्रबन्धन स्तब्ध हैं। हालांकि कॉलेजों ने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया है कि उन्हें नियमित पढ़ाई करनी है, किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

चारों मेडिकल कॉलेजों में मिलाकर 700 एमबीबीएस की सीट उपलब्ध है, जबकि यूजी की भी अलग-अलग सीट्स हैं।

एनएमसी ने इन कॉलेजों में ये कमियां बताई, जबकि कॉलेज बोले- ये कमियां तो हैं ही नहीं...

- फैकल्टी कम होना
- आधारभूत सुविधाएं कम
- बेड पर मरीजों की संख्या कम होना।
- क्लीनिकल मटेरियल को लेकर कमियां

जब सरकार के निर्देश पर प्रवेश तो कार्रवाई क्यों

इन विद्यार्थियों की अलग-अलग फेज में जयपुर आरयूएचएस के डेंटल कॉलेज में काउंसलिंग हुई थी। फर्स्ट राउण्ड की काउंसलिंग ऑनलाइन थी, जबकि सेकंड व मॉकअप राउण्ड की काउंसलिंग फिजिकली हुई थी। इसके आधार पर आवंटित विद्यार्थियों को कॉलेजों में प्रवेश दिया गया था। सभी कॉलेजों द्वार पूरे सरकारी सिस्टम को निभाया गया और उसके अनुरूप ही प्रवेश दिए गए, इसके बावजूद इस तरह की कार्रवाई का कॉलेज प्रबन्धन ने विरोध जताया है।

प्रक्रिया से हुए है प्रवेश

एनएमसी ने यूजी प्रवेश के लिए स्वीकृति दी थी। राजस्थान यू काउंसलिंग बोर्ड ने 150 एमबीबीएस स्टूडेंट अलोट किए। सभी पास सरकार की काउंसलिंग बोर्ड के अलोटमेंट लेटर है, इस आधार ही प्रवेश दिया गया, विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। पीजी के लिए हमें कुछ विष स्वीकृति एनएमसी ने दी जबकि कुछ विषय में बढ़ी हुई सीट की स्वीकृति हाईकोर्ट के आदेश पर जारी हुई। ये बच्चे नियमित पढ़ाई व रहे हैं। सभी के पास पीजी काउंसलिंग बोर्ड के अलोटमेंट लेटर है।

नितिन शर्मा, रजिस्ट्रार, अनन्ता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज रिसर्च सेंटर

ऐसे तो कॉलेज बंद हो जाएंगे

सभी कॉलेज हाईकोर्ट में जाने की तैयारी कर रहे हैं। यूजी के स्टूडेंट्स आ गए हैं। उनकी कक्षाएं शुरू हो चुकी है, पहले से सत्र से शुरू हुआ है। हाईकोर्ट के आदेश पर हमने पीजी की सीट बढ़ाई थी, लेकिन बाद में इसे कम कर दिया था। पीजी के लिए हमने एनएमसी की स्वीकृत सीटो पर ही प्रवेश दिए हैं। यदि ऐसे करेंगे तो कॉलेज संचालन मुश्किल हो रहा है। इस तरह की कार्रवाई से तो कॉलेज बंद हो जाएंगे।

आशीष अग्रवाल, चेयरमैन, पिम्स, उमरड़ा

हमारे साथ गलत हुआ, कही कोई कमी नहीं

हमारे साथ ये गलत हुआ है। गीतांजली का इन्फ्रास्ट्रक्चर पूरा मरीजों की संख्या भी कम नहीं है। ऐसे में इस तरह के आदेश निकालने से विद्यार्थियों को नुकसान होगा। बेवजह जानबूझकर परेश किया जा रहा है।

प्रतीम तम्बोली, सीइओ, गीतांजली हॉस्पिटल

वहीं दूसरी और जानकारो का मानना है कि यह सारा घटनाक्रम किसी बड़ी डील का हिस्सा मात्र है|इससे पहले भी एनएमसी की पूर्ववर्ती संस्था एमसीआई द्वारा कई बार ऐसे नोटिस जारी कर,देश भर के कई कॉलेजो के प्रवेश सत्रो को निरस्त किया जाता रहा है|लेकिन कॉलेज संचालको और कतिपय अधिकारियों,नेताओ के बीच डील हो जाने के बाद,महज कुछ ओपचरिकताए पूरी कर ऐसे निरस्त प्रवेश सत्रो को पुनः बहाल कर दिया जाता रहा है|ऐसे मे इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि यही खेल इस मामले मे दुबारा खेला जाये|

क्या जांच एजेंसियां रखेगी इस पूरे मामले पर नजर?

जैसा कि ज्ञात है कि पिछले माह सीबीआई द्वारा पेसेफिक के रजिस्ट्रार शरद कोठारी और एमसीआई,डीसीआई के कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर व्यापक स्तर पर मिलीभगत की जांच की जा रही है|सीबीआई को जानकारी मिली थी कि यह तीनों व्यक्ति अन्य व्यक्तियों के साथ मिल कर,पेसेफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस और पेसेफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के मेनेजमेंट कोटे मे हुई अनियमितताओं के मामलो को रफा-दफा करवाने और एमसीआई द्वारा मेडिकल कॉलेजो के किए जाने वाले निरीक्षणों की खबर और अन्य महत्वपूर्ण और संवेदनशील जानकारियाँ लीक करने के मामले मे लिप्त है|

ऐसी स्थिति मे यदि इन कॉलेज संचालको और कतिपय अधिकारियों,राजनेताओ द्वारा कोई बड़ी डील की जाती है तो संभव है कि सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियों को कोई बड़ी सफलता हाथ लग जाए|

यह आलेख www.jawabdosarkar.com पोर्टल पर प्रकाशित किया गया है|पाठको की सुविधा एवं जिम्मेदार अधिकारियों/विभागो के संज्ञान मे लाने के लिए पोर्टल पर प्रकाशित आलेखो को पीडीएफ़ फोर्मेट मे प्रकाशित किया गया है|पोर्टल द्वारा किसी नियमित एवं निश्चित प्रसार संख्या वाले किसी समाचार पत्र/पत्रिका का प्रकाशन नहीं किया जाता है| पाठको से अनुरोध है कि इस आलेख को अधिक से अधिक जन हित मे प्रसारित/शेयर करें|